an>

Title: Regarding laying of road and railway and communication network in the border areas of Mandi in Himachal Pradesh.

श्री रामस्वरूप शर्मा (मंडी) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय चुनाव क्षेत्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो देश का दूसरा सबसे बड़ा चुनाव क्षेत्र है। इसकी तीन जनजातीय क्षेत्रों की सीमाएं चीन के साथ लगती हैं। चीन भारतीय सीमा क्षेत्रों के साथ लगते सड़क व रेल निर्माण कार्य पूर्ण कर चुका है जबकि भारतीय क्षेत्र का आधारभूत ढांचा न के बराबर है। सीमा पर चीन का विस्तृत एवं मजबूत आधारभूत ढांचा देखकर इस क्षेत्र के लोग हीन भावना से ग्रस्त होते जा रहे हैं क्योंकि मैं स्वयं इन क्षेत्रों का दौरा करके आया हूं।

अत: मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सीमावर्ती क्षेत्र में शीघ्र सड़क व रेल निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। चीन अधिकृत तिब्बत से सटी सामरिक महत्व की पांच सड़कों पर वन विभाग ने रोक लगा दी है और फॉरेस्ट क्लीयरेंस न मिलने से इनका विस्तारीकरण रुका पड़ा है जबकि इन्हीं सड़कों द्वारा सेना की रसद खाद्य सामग्री तिब्बत बार्डर तक पहुंचाई जाती है। वर्ष 2006 में चीन से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में 72 सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी मिली लेकिन वर्ष 2010 तक केवल 9 ही पूरी हो पाई हैं इनके निर्माण में पर्यावरण मंजूरी न मिलना और प्रशासनिक शिथिलता सबसे बड़ी बाधाएं हैं, जिसको तत्काल दूर किया जाए और सड़कों का निर्माण युद्धस्तर पर किया जाए। दूसरा जनजातिय क्षेत्रों में छह महीने तक बर्फबारी होने के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं तथा दूरसंचार सेवाएं भूस्खलन के कारण ठप हो जाती हैं इसलिए जनजातीय क्षेत्रों के लिए सेटेलाईट सेवा प्रदान करने की कृपा करें।